सामाजिक परिवर्तन के विविध स्वरूप

डॉ. उषा सिंह, हरेन्द्रपाल सिंह

Scanned with OKEN Scanner

डॉ, उषा सिंह

डॉ. उषा सिंह स्नातकोत्तर समाजशास्त्र विभाग शासकीय कन्या महाविद्यालय टीकमगढ़ (म.प्र.) में प्राध्यापक के पद पर कार्यरत् हैं। संयुक्त लेखन में इनकी पुस्तकें – भारत में बंधुआ मजदूरः समस्यायें और समाधान, सामाजिक परिर्वतन के विविध आयाम, भारत में बालश्रमः समस्यायें और समाधान, आज के दलित : उत्थान और पतन, रिश्तों का समाजशास्त्र और वर्तमान परिदृश्य के लेखन के साथ ही राष्ट्रीय काव्यधारा और दिनकर एवं नागफनी के फूल (कविता संग्रह) तथा जनसंचार और सामाजिक परिवर्तन का सम्पादन भी किया है। आपने अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया वहीं यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित "सिर पर मेला ढोने की प्रथा" पर शोध परियोजना पर कार्य किया। श्रीमती सिंह के अनेक रिसर्च पेपर नेशनल एवं इंटर नेशनल्स रिसर्च जनरल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। वर्तमान में संयुक्त लेखन में "सामाजिक परिवर्तन के विविध स्वरुप" आपके समक्ष प्रस्तुत है।

Scanned with OKEN Scanner

सामाजिक परिवर्तन के विविध स्वरुप

लेखक

डॉ. उषासिंह

प्राध्यापक

शास.कन्या महाविद्यालय

स्नातकोत्तर समाजशास्त्र विभाग

टीकमगढ़ (म.प्र.)

एवं

हरेन्द्रपाल सिंह

अध्यक्ष

म.प्र.राष्ट्रभाषा प्रचार समिति

टीकमगढ़ (म.प्र.)

51401

Crescent

क्रिसेन्ट पब्लिशिंग कॉरपोरेशन

Scanned with OKEN Scanner

सामाजिक परिवर्तन के विविध स्वरुप

© लेखक

प्रथम संस्करण : 2018
ISBN : 978-93-87537-01-9

प्रकाशक :
क्रिसेन्ट पब्लिशिंग कॉरपोरेशन
4806/24, माथुर लेन
अंसारी रोड, दरियागंज
नई दिल्ली - 110002
फोन : 011-23244131, 09711991838, 09999021668
e-mail : crescentbook@gmail.com
Website : www.crescentpublishingcorp.weebly.com

टाइयसेट :
आरव कम्प्यूटर्स दिल्ली-95

प्रिन्टर्स :
ताज बुक बाइन्डर दिल्ली

Scanned with OKEN Scanner

हमारे जीवन में परिवर्तन अवश्यम्भावी होते हैं प्राकृतिक रुप से परिवर्तन के अलावा हमारे निजी जीवन और सामाजिक जीवन में भी परिवर्तन घटित होते ही रहते हैं यदि परिवर्तन घटित न हों तो हमारा जीवन, प्रकृति और समाज जड़ रह जायेगा। ये परिवर्तन कई स्वरुपों में होते हैं कुछ परिवर्तन समाज को विकास की ओर ले जाते हैं और कुछ परिवर्तन विनाश के दाग छोड़ जाते हैं व्यक्ति, सरकार और समाज मिलकर भी कुछ विकासात्मक परिवर्तन करने के प्रयत्न करते हैं क्योंकि विकास हमारे समाज और देश को संपन्न और समृद्ध बनाते हैं वहीं जीवनयापन के महत्वपूर्ण घटकों यानी रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, स्वास्थ, रोजगार और शुद्ध पेयजल के संसाधनों का उन्नयन करते हैं सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न स्वरुपों पर विचार करते हुये हमने सूचना प्रौद्योगिकी का समाज पर प्रभाव, डिजिटल इंडिया, उच्च शिक्षा में गुणवत्ता, बच्चों के प्रति बढ़ते हुये अपराध, सुशासन की नई पहल, नैतिक मूल्यों का क्षरण और उसका सामाजिक प्रभाव, कुपोषण और धर्म के आचरण और उसके स्वरुप के विविध आयामों पर अपने विचार व्यक्त किये हैं।

CRESCENT PUBLISHING CORPORATION
4806/24, Mathur Lane, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi-2
Mob. : 9711991838, 9999021668 **Ph.** : 011-23244131
E-Mail: crescentbook@gmail.com
Website: www.crescentpublishingcorp.weebly.com

₹ 475.00
ISBN 978-93-87537-01-9
9 789387 537019

Scanned with OKEN Scanner

हरेन्द्रपाल सिंह

हरेन्द्रपाल सिंह म.प्र.राष्ट्रभाषा प्रचार समिति टीकमगढ़ (म.प्र.) के अध्यक्ष हैं श्री सिंह एक वरिष्ठ साहित्यकार और कवि हैं। संयुक्त लेखन में इनकी पुस्तकें – भारत में बंधुआ मजदूरः समस्यायें और समाधान, सामाजिक परिर्वतन के विविध आयाम, भारत में बालश्रमः समस्यायें और समाधान, आज के दलित : उत्थान और पतन, राष्ट्रीय काव्यधारा और दिनकर एवं नागफनी के फूल (कविता संग्रह) के लेखन के साथ ही जनसंचार और सामाजिक परिवर्तन, रिश्तों का समाजशास्त्र और वर्तमान परिदृश्य का सम्पादन भी किया है। आपने अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया तथा अनेक रिसर्च पेपर नेशनल एवं इंटर नेशनल्स रिसर्च जनरल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। वर्तमान में संयुक्त लेखन में "सामाजिक परिवर्तन के विविध स्वरुप" आपके समक्ष प्रस्तुत है।

Scanned with OKEN Scanner